

अब तो सुनल्यो खाटू वाला थारी ही दरकार रे लिरिक्स



विनती करता करता मैं तो,
हार गया सरकार रे,
अब तो सुनल्यो खाटू वाला,
थारी ही दरकार रे।

[तर्ज – थाली भरकर लाई।](#)

भक्ता से क्या की नाराजी,
भक्त थारा तने याद करे,
थाके आया पार पड़ेली,
था बिन पार पड़े ना रे,
अब तो आज्ञा श्याम धणी,
ओ लीले रा असवार रे,
अब तो सुनल्यो खाटू वाला,
थारी ही दरकार रे।

भक्ता ने तो बहुत भरोसो,
एक दिन बाबो आवेलो,
भक्त बिना यो खाटू वालो,
एक पल नहीं रुक पावेलो,
भक्ता की अरदास सुनके,
अब तो आज्ञा श्याम रे,
अब तो सुनल्यो खाटू वाला,
थारी ही दरकार रे।

कइयाँ बैठचा हो थे बाबा,
मुख से कुछ तो बोलो रे,
थाके बोल्यो मैं तो जाना,
गलती म्हासे हुई जो रे,
भूल चूक की कान पकड़कर,
थासु माफ़ी माँगा रे,
अब तो सुनल्यो खाटू वाला,
थारी ही दरकार रे।



बहुत बड़ो कृपालु रे,
भक्त की पीड़ा देख ना पावे,
झटपट दौड़यो आवे रे,
‘गोनू’ के तो मन की बाबा,
अब तो आस पूरा जा रे,
अब तो सुनल्यो खाटू वाला,
थारी ही दरकार रे। **bd।**

विनती करता करता मैं तो,
हार गया सरकार रे,
अब तो सुनल्यो खाटू वाला,
थारी ही दरकार रे। **bd।**

Singer – Jalpari Namrata Kushwah
